Raj Express (Indore), 09th March 2024, Page – 03

आईआईटी इंदौर के सी-ईएलआईटीई का उज्जैन इंजीनियरिंग कॉलेज में उद्घाटन

आईआईटी इंदौर करेगा 5 साल में 250 नई तकनीकें विकसित

महाकाल की भूमि पर देश के भविष्य के निर्माण का अवसर

उज्जैन में आईआईटी इंदौर के आगामी परिसर की शुरुआत के साथ नवाचार, प्रौद्योगिकी व उद्यमिता अनुभवात्मक विद्यार्जन केंद्र के अंतर्गत तीन अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का उद्घाटन किया। इन प्रयोगशालाओं में मेकरस्पेस, खगोल विज्ञान व अंतरिक्ष अभियांत्रिकी धरोहर और नवाचार केंद्र (एचआईसीएएसई) और लेजर इंजीनियरिंग शामिल हैं।

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर 5 वर्षों में 250 नई तकनीकें विकसित करेगा। लैब-टू-मार्केट कार्यक्रम के माध्यम से, 150 विचारों को विकसित करने और उनमें से कम से कम आधे को मार्केट के लिए तैयार करने की योजना बनाई गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर, भारत सरकार के शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय के कैबिनेट मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

अनुसंधान और नवाचार के तीन स्तंभ: प्रोफेसर जोशी ने महांकाल की भूमि पर देश के भविष्य के निर्माण का अवसर देने के लिए केंद्र व राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, हम यहां अनुसंधान और नवाचार के तीन स्तंभों यानि डीप-टेक रिसर्च प्रयोगशालाओं, डिस्कवरी सेंटर और लैब-टू-मार्केट सेंटर के तहत एक डीप-टेक रिसर्च व डिस्कवरी कैंपस बनाने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा, इसके अलावा, इसमें सेंटर फॉर न्यू एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के माध्यम से एक उच्च-स्तरीय अनुसंधान सुविधा भी होगी। इसके साथ, हम लैब-टू-मार्केट इनक्यूबेशन एंड एंटरप्रेनर्शिप सेंटर के माध्यम से वास्तविक जीवन के उत्पादों में भी सहायता प्रदान करेंगे। यह अनुसंधान सुविधा राज्य के कॉलेजों के इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के लिए उपलब्ध होगी।

स्टार्टअप और नवाचार जैसे पहलू शामिल

एचआईसीएएसई युवा विचारों को प्रबुद्ध करने के लिए प्राचीन और आधुनिक दुनिया का सर्वोत्तम उपयोग करने वाला इस तरह का पहला कार्यक्रम होगा। इस केंद्र में खगोलीय धरोहर, अंतरिक्ष विज्ञान शिक्षा केंद्र एवं कौशल विकास केंद्र, डेटा इंटेंसिव कम्प्यूटिंग एवं एनालिटिक्स प्रयोगशाला और खगोल विज्ञान एवं अंतरिक्ष अनुसंधान से संबंधित डिवाइस प्रौद्योगिकी में स्टार्ट अप और नवाचार जैसे पहलुओं को शामिल किया गया है।

2500 कर्मियों को डीप टेक्नोलॉजी में करेंगे प्रशिक्षित: आईआईटी इंदौर 5 वर्षों में 250 नई तकनीकें विकसित करेगा। लैब-टू-मार्केट कार्यक्रम के माध्यम से, 150 विचारों को विकसित करने और उनमें से कम से कम आधे को मार्केट के लिए तैयार करने की योजना बनाई गई है। इसके अलावा, परिसर में डिग्री कार्यक्रम, एग्जीक्यूटिव कार्यक्रम और कौशल विकास कार्यक्रम होंगे।

केंद्र प्रगति में योगदान देगा

5 वर्षों में 2500 कर्मियों को डीप टेक्नोलॉजी में प्रशिक्षित करने की भी योजना है। इसके साथ, परिसर में 5 कांफ्रेंस हॉल, 15 डिजिटल क्लासरूम, प्रशासनिक भवन, आवासीय संकुल और छात्रावास होंगे। इस प्रकार, यह अत्याधुनिक अनुसंधान, अंतः विषय सहयोग और प्रतिभा के विकास के केंद्र के रूप में काम करेगा, जो देश की प्रगति में योगदान देगा।

वस्त्र पर लेजर आधारित जीआई इंडेक्स प्रिंटिंग

लेजर इंजीनियरिंग प्रयोगशाला उद्योगों में विभिन्न अनुकूलित आवश्यकताओं के लिए लेजर सिस्टम को डिज़ाइन करने में स्टूडेंट्स और संकाय सदस्य को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी। इस प्रयोगशाला में वस्त्र उत्पादों और लकड़ी की नक्काशी पर भौगोलिक अनुक्रमण के लिए बाग का लोगो मुद्रित करने के लिए वस्त्र पर लेजर आधारित जीआई इंडेक्स प्रिंटिंग, लेजर बीम का उपयोग करके उच्च परिशुद्धता दूरी और मोटाई माप में लेजर मिशेलसन इंटरफेरोमेट्री, लेजर नक्काशी और 3 डी प्रिंटिंग, ऑप्टो-मेक्ट्रोनिक्स सिस्टम शामिल हैं, जो प्रारंभिक चरण के कैंसर निदान की जांच के लिए नैनो से माइक्रो स्तर में लेजर बीम स्टीयरिंग और स्वास्थ्य निगरानी के लिए फोटोकॉस्टिक सिस्टम की झलक देगा।

सक्षम वास्तविक परिवेश करेगी प्रदान

मेकरस्पेस प्रयोगशाला युवा इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स को एक सक्षम वास्तविक परिवेश प्रदान करेगी, ताकि वे अपने उन्नत और रचनात्मक विचारों को विकसित कर सकें, साथ ही, उन्हें अभिव्यक्त भी कर सकें। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य स्टूडेंट्स को सिस्टम के घटकों को अलग-अलग करने, उन पर शोध करने और मूल सिस्टम को फिर से बनाने के लिए सशक्त बनाना है। यह स्टूडेंट्स के रचनात्मक विचारों को वास्तविक इंजीनियरिंग उत्पादों में परिवर्तित करके नए सिस्टम बनाने में भी मदद करेगा।